Notification of the Ministry of Home Affairs

SHRI SHRIPRAKASH JAISWAL: Sir, I lay on the Table, under section 77 of the Disaster Management Act, 2005, a copy (in English and Hindi) of the Ministry of Home Affairs Notification G.S.R. 544(E) dated the 13th August, 2007, publishing the Disaster Management (Notice of Alleged Offence) Rules 2007. [Placed in Library. *See* No. L.T. 7212/07]

Proclamation Under Article 356 Of The Constitution

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SHRIPRAKASH JAISWAL): Sir, I lay on the Table a copy (in English and HIndi) of the following papers.

(i) Proclamation [G.S.R. No.723(E)], issued by the President on the 20th November, 2007, under article 356 of the Constitution in relation to the State of Karnataka, under clause (3) of the said article.

(ii) Order [G.S.R. No. 724 (E)], dated the 20th November, 2007, made by the President under sub-clause (i) of clause (c) of the above Proclamation.

(iii) Report of the Governor of Karnataka dated the 19th November, 2007, to the President recommending the issue of the Proclamation.

Report Of The Department Related Parliamentary Standing Committee On Petroleum And Natural Gas

MS. MABEL REBELLO (Jharkhand): Sir, I lay on the Table a copy of the Eighteenth Report (in English and Hindi) of the Department related Parliamentary Standing Committee on Petroleum and Natural Gas on the 'The Rajiv Gandhi Institute of Petroleum Technology Bill, 2007' for the year 2007-2008.

Supplementary Demands For Grants (General) 2007-08

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): I lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the second batch of the Supplementary Demands for Grants (General) for the year 2007-08.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION
Shortage of basic Fertilizers

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, गेहूं और तिलहन उत्पादक राज्यों में जिस तरीके से गेहूं और तिलहन की बुवाई प्रभावित हुई है तथा खाद की समुचित आपूर्ति न हो सकने के कारण लोग दुर्दशा का अनुभव कर रहे हैं। आज हालत ऐसी हो गई है कि किसान अनुभव करने लगा कि खाद की अगर समुचित तौर पर आपूर्ति नहीं हुई तो गेहूं, जो खाद्यान्न है, इसके उत्पादन में भारी गिरावट आ सकती है। मान्यवर, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, बिहार और झारखंड राज्यों से ये सारी सूचनाएं मिली हैं। मान्यवर, कृषि मंत्रालय में नियंत्रण कक्ष के अनुसार रबी सीजन में 15 नवम्बर तक केवल 34,75 लाख हेक्टेअर रकबे में ही गेहूं की बुवाई हो पाई है, जबकि पिछले साल अब तक 52.71 लाख हैक्टेअर रकबे में बुवाई कर दी गई थी। मान्यवर, यह केवल इस कारण हो रहा है कि जो बेसिक फर्टिलाइज़र्स हैं, BAP, MPK, वे उनको प्राप्त नहीं हो रहे हैं और साथ ही साथ प्रतिकूल मौसम भी इसके लिए प्रभाव डाल रहा है। मौसम के बारे में जो 'Weather Watch' की रिपोर्ट है, जो अभी पिछले ही सप्ताह प्रस्तुत की गई है, उसके माध्यम से जो जानकारी दी जानी चाहिए थी,